मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 223 ■ बुधवार, 27 नवंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले के दिग्गज मंत्री पद की रेस में

किशन कथोरे, रविंद्र चव्हाण, गणेश नाईक, बालाजी किणीकर के नामों का समावेश

- कुमार आयलानी को भी मंत्री पद दिए जाने की मांग
- मुख्यमंत्री पद से एकनाथ शिंदे का इस्तीफा
- देवेंद्र फडणवीस हो सकते हैं अगले मुख्यमंत्री

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने पद से राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया है उनके साथ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व अजित पवार ने भी इस्तीफा दे दिया है। अब एकनाथ शिंदे केयरटेकर की भूमिका में नए सरकार गठन होने तक कार्य करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर महायुति में उठापटक चल रही है लेकिन भाजपा से देवेंद्र फडणवीस ही अगले मुख्यमंत्री हो सकते हैं। मुख्यमंत्री का नाम तो तय नहीं हुआ लेकिन ठाणे जिले के दिग्गज नेताओं को मंत्री पद देने के लिए अभी से ही मांग शुरू हो गई है। ठाणे जिले से किसन कथोरे, रविंद्र चव्हाण, गणेश नाईक, बालाजी किणीकर के नामों पर चर्चा है कि इन्हें मंत्री पद दिया जाएगा। वहीं उल्हासनगर विधानसभा से तीसरे बार विधायक बने कुमार आयलानी को भी मंत्री पद देने की मांग सिंधी समाज ने की है।

निवर्तमान मंत्री रविंद्र चव्हाण, पूर्व पालक मंत्री गणेश नाईक, डॉ. अंबरनाथ, जो पूर्व पालक मंत्री गणेश नाइक, मुरबाड के पांच बार के विधायक किसन कथोरे और एकनाथ शिंदे के करीबी माने जाने वाले बालाजी किणीकर के नाम चर्चा में हैं. बताया जा रहा है कि बीजेपी का पढ़ा-लिखा चेहरा संजय केलकर, प्रताप सरनाईक का नाम भी चर्चा में है. ऐसी भी चर्चा है कि एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद कई समीकरण बदल जाएंगे. इसलिए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ठाणे जिले से मंत्री पद किसे मिलता है।

ठाणे जिले में, महायुति ने 18 विधानसभा सीटों पर निर्विवाद प्रभुत्व हासिल किया। मुंब्रा कलवा निर्वाचन क्षेत्र में, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के जीतेंद्र आव्हाडऔर भिवंडी पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के रईस शेख को छोड़कर महायुति ने सभी सीटें जीतीं. इसमें बीजेपी ने एरोली, बेलापुर, ठाणे, डोंबिवली, भिवंडी पश्चिम, कल्याण पूर्व, उल्हासनगर, मुरबाड, मीरा भायंदर सीटों पर जीत हासिल की. जबकि शिवसेना ने कोपरी पाचपखाड़ी, ओवला मजीवाड़ा, कल्याण ग्रामीण, कल्याण पश्चिम, अंबरनाथ और भिवंडी ग्रामीण सीटों पर जीत हासिल की। शाहपुर निर्वाचन क्षेत्र राकांपा (अजित पवार) ने जीता।

जिले में महायुति की बड़ी जीत के बाद अब मंत्री पद के लिए वरिष्ठ विधायकों के बीच रस्साकशी शुरू हो गयी है. अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर वापसी करेंगे या नहीं. उनके साथ कैबिनेट में शामिल रवींद्र चव्हाण को एक और मौका मिलने की चर्चा है. पूर्व पालकमंत्री गणेश नाईक इस वर्ष मंत्री पद के दावेदार माने जा रहे हैं. पांचवीं बार विधायक चुने गए मुरबाड के किसन कथोरे ने दावा किया है कि कार्यकर्ताओं की मांग है कि उन्हें मंत्री पद मिलना चाहिए. चौथी बार विधायक बने डॉ. बालाजी किणीकर भी मंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं. ओवला मजीवाडा सीट से प्रताप सरनाईक और बीजेपी का विद्वान चेहरा माने जाने वाले संजय केलकर का नाम भी चर्चा में है.

■ समीकरण एकनाथ शिंदे के मंत्री पद पर निर्भर

बताया जाता है कि ठाणे जिले में मंत्री पद का समीकरण इस बात पर निर्भर करता है कि क्या एकनाथ शिंदे को दोबारा मुख्यमंत्री पद मिलता है या फिर वह कोई और विभाग संभालेंगे. एक जिले में कितने मंत्री पद मिलेंगे यह भी बड़ा सवाल है. उसमें इस साल बीजेपी का पलड़ा भारी माना जा रहा है. लेकिन संभावना है कि एकनाथ शिंदे का जिले में पलड़ा भारी रहेगा. यह भी कहा जा रहा है कि इससे बीजेपी में कुछ लोग हीरो बन सकते हैं. ऐसी भी चर्चा है कि अगर नये चेहरों को मौका देने के मानदंड पर अमल किया गया तो कुछ को अप्रत्याशित मंत्री पद का लाभ मिल सकता है.

उल्हासनगर में गंगोत्री के वोटों ने किया सभी को हैरान

- गंगोत्री को इतने कम वोट मिलना नामुमकिन
- दिग्गज बंडखोरों की करारी शिकस्त पर सवालिया निशान
- राज्य के सभी दिग्गज बंडखोरों की करारी हार का कारण क्या?
- जनता के वोट नतीजों से गायब
- विजयी उम्मीदवार खुद की लीड से और बंडखोरी के कम वोटों से हैरान

उल्हासनगर

उल्हासनगर. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे एकतरफा आने से विरोधी ही नहीं बल्कि जीते हुए उम्मीदवार भी आश्चर्यचकित रह गए हैं। उम्मीद से ज्यादा वोट और लीड मिलने से विजयी उम्मीदवारों में खुशी तो हैं लेकिन वो यह सोचकर भी हैरान है कि मेरे सामने लड़ने वाले दिग्गज उम्मीदवार इतने कम वोट कैसे ले सकते हैं? कुछ इसी तरह का कांड उल्हासनगर विधानसभा चुनाव मैदान में डटे रहे राकांपा नेता व अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी (गंगोत्री) के साथ भी हुआ। उल्हासनगर विधानसभा चुनाव में गंगोत्री को केवल 1821 वोट मिले जो किसी के लिए भी हजम करने वाली बात नहीं है। गंगोत्री समर्थकों का कहना है कि यह तानाशाह का नतीजा है और अस्वीकार्य है। इसका कारण कुछ और ही है।

उल्हासनगर में था त्रिकोणीय मुकाबले

शहर की खस्ता हालत को देखते हुए जनता इतनी ज्यादा त्रस्त हो चुकी है कि जनता ने नोटा को वोट देना बेहतर समझा था लेकिन नोटा को भी 2019 के मुकाबले कम वोट मिले। पुराने नेताओं की तुलना में चुनाव के दौरान तीसरे विकल्प भारत राजवानी (गंगोत्री) मुकाबले को त्रिकोणीय किए हुए थे और जनता की पसंद भी बन चुके थे।

शहर में साफ सुथरी छवि से चर्चित गंगोत्री द्वारा दोनों प्रमुख उम्मीदवारों से अधिक प्रचार, अधिक प्रसार, अधिक जनसंपर्क के बावजूद अगर उम्मीदवार को केवल 1821 वोट मिले तो इन नतीजों को गड़बड़ी ही कहा जा सकता है। क्योंकि गंगोत्री की चुनाव में मौजूदगी से सर्वे और उनके विरोधी उम्मीदवारों के सर्वे में ही 20-25 हजार वोटों का आकड़ा आ रहा था तो यह आकड़ा इतने कम वोटों में कैसे सिमट गया। लोगों ने वोट तो किया है लेकिन नतीजों में नजर नहीं आया है। इस तरह के नतीजे उल्हासनगर शहर में नहीं बल्कि राज्य के कई शहरों में चौंकाने वाले आए हैं जहां त्रिकोणीय मुकाबले में दिग्गज उम्मीदवार को इतने कम वोट मिले हैं।

■ बंडखोरी नेताओं पर गिरी गाज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जिन दिग्गज नेताओं की लोकप्रियता ज्यादा है बावजूद उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला ऐसे बागी दिग्गजों नेताओं की करारी हार पर सवालिया निशान बना हुआ है। क्योंकि इन दिग्गज नेताओं को महायुति व महाविकास आघाडी के उम्मीदवारों से भी कम ही वोट कैसे मिले। जिस भी उम्मीदवारों ने बगावत की उन्हें नतीजों से कौसो दूर रखा गया। यह हालत राज्य के कई विधानसभा क्षेत्र की बताई गई है।

चलती रिक्शा पर लाइट का खंभा गिरा

उल्हासनगर. उल्हासनगर में चलती हुई रिक्शा पर हाइमास लाइट का खंभा गिरने की घटना घटी है। घटना के दौरान रिक्शे में कोई यात्री नहीं था, जिस कारण बड़ा हादसा टल गया। कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है, रिक्शा चालक भी मामूली रूप से घायल हो गया। कैंप नंबर 4 के वीनस चौक के बीच जगह-जगह ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी गई हैं, इसलिए सड़क पर दुर्घटना की प्रबल संभावना है।

अंबरनाथ-बदलापुर के बीच रेल पटरी में आई दरार

- कुछ देर लोकल ट्रेनें लेट चलीं
- सुबह नौकरीपेशा हुए परेशान
- रेल प्रशासन ने तेजी से काम पूरा किया

अंबरनाथ. मंगलवार सुबह में अंबरनाथ और बदलापुर रेलवे स्टेशन के बीच में रेल पटरी फ्रैक्चर हो जाने के कारण डाउन की ओर जाने वाली लोकल ट्रेनें कुछ देर के लिए रुक सी गई थी. ये घटना सुबह 7.03 बजे के है. अंबरनाथ से कर्जत की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन के समय ये जानकारी मिलने पर रेल प्रशासन हरकत में आ गया और घटनास्थल पर पहुंचकर तेजी से कार्य की शुरूआत करके पटरी को दुरुस्त किया गया. जानकारी के अनुसार चिखलोली के पास ये घटना हुई. जिसके कारण सुबह में नौकरी पर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा. अंबरनाथ और बदलापुर स्टेशन प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई. सुबह के समय अक्सर लोकल ट्रेनों के लेट होने से यात्री परेशान रहते हैं. रेलवे ट्रैक फ्रैक्चर तुरंत मालूम पड़ने से एक बड़ा हादसा होने से टल गया. सुबह का समय था इसलिए ज्यादा मजदूरों को लगाकर इस कार्य को पूरा किया गया. सुबह 9.30 बजे तक कार्य को पूरा कर लिया गया था. सुबह 9.45 को बदलापुर से अंबरनाथ के लिए एक मालगाड़ी को छोड़ा गया. सुबह 10.8 की बदलापुर लोकल ट्रेन जाने का इंडिकेटर अंबरनाथ में लगा दिया गया था. इस घटना के बारे में पत्रकारों को रेल प्रशासन से ठीक तरीके से जानकारी देने में देरी की गई.

ओमी कालानी को हराकर आयलानी ने बनाया रिकॉर्ड

- माता-पिता और पुत्र तीनों को हराने का रिकार्ड

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के कालानी और आयलानी परिवार न केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, बल्कि उनके पारिवारिक विवाद मारपीट तक पहुंच गए हैं। कुमार आयलानी ने विधानसभा चुनाव में कालानी परिवार के पप्पू कालानी और उनकी दिवंगत पत्नी ज्योति कलानी को हराया था। इस साल कालानी के बेटे ओमी को भी हराकर एक अलग रिकॉर्ड बनाया है. अब तक कालानी और आयलानी के बीच विधानसभा चुनाव के नतीजे बेहद करीबी होते थे, लेकिन इस विधानसभा चुनाव में आयलानी ने भारी अंतर से यह चुनाव जीता है और ओमी कलानी को हराया है.

पप्पू कालानी ने अपने बेटे ओमी को निर्वाचित कराने के लिए बहुत मेहनत की. इस साल की स्थिति भी कालानी के पक्ष में थी. पूरे शहर में सड़क मरम्मत के लिए भूमिगत सीवर और सड़कें खोदी गई हैं। इसके कारण शहर धूल-मिट्टी से भर गया है, पानी की कमी

की समस्या बनी हुई है, विकास कार्य नहीं हुए हैं, बीजेपी आयलानी की प्रचार सभा बहुत जोरदार नहीं रही, लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुचर्चित सभा भी समय पर रद्द कर दिया गया. भाजपा में स्थानीय नेताओं के बीच तीव्र आंतरिक भी मतभेद थे।

राजनीतिक गलियारों में जीत को लेकर कई तरह की चर्चाएं

पिछले कई महीनों से पप्पू कालानी अपने बेटे ओमी कालानी की जीत के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं. वह हर जगह जा रहे थे और लोगों से संपर्क कर रहे थे. राजनीतिक हलके में चर्चा थी कि ओमी की मेहनत देखकर भारी मतों से जीत हासिल करेंगे।

पिछले कुछ दशकों के बारे में सोचें तो एक समय ऐसा भी था जब पप्पू कालानी के खिलाफ कोई भी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं होता था. फिर 2004 में कुमार आयलानी ने पप्पू कालानी के खिलाफ चुनाव लड़ा. लेकिन पहली बार उन्हें हार मिली. बाद में, उन्होंने 2009 में हार का बदला लिया. 2019 में, आयलानी ने ज्योति के खिलाफ फिर से चुनाव लड़ा और 2,000 से भी कम वोटों से जीत हासिल की। अब इस चुनाव में कुमार ने मां और पिता दोनों को हराने के बाद बेटे ओमी कालानी के को रिकॉर्ड 30,754 वोटों से हरा दिया है.

संविधान जागरूकता रैली

उल्हासनगर. उल्हासनगर में छात्रों ने संविधान जागरूकता रैली निकाली है. यह रैली संविधान दिवस के मौके पर निकाली गई. कैंप चार स्थित तक्षशिला विद्यालय के छात्रों ने शहर के मुख्य मार्ग पर जागरूकता रैली निकाली, उन्होंने भारतीय संविधान की तख्तियां लेकर जागरूकता फैलाई, इस रैली में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया.

भारतीय संविधान दिन उत्साह के साथ मनाया

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भारतीय संविधान गौरव दिन उत्साह के साथ मनाया गया. अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय में अधिकारियों ने, शिवराय, फुले-शाहू आंबेडकर सामाजिक संघटना, सार्वजनिक बुद्ध जयंती महोत्सव मंडल अंबरनाथ ने रोटरी क्लब सभागृह में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करके एवं अंबरनाथ पूर्व में ज्योतिबा फुले आश्रम शाला में 150 विद्यार्थियों को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा देश के लिए दिया योगदान एवं संविधान पर मार्गदर्शन किया गया. अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय में भारतीय संविधान दिन पर भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के प्रतिमा को पुष्प हार अर्पण करके मनाया गया. उस समय मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर ने भारत के संविधान विषय पर जानकारी दी. उस समय नपा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे.

शिवराया फुले संघटना और सार्वजनिक बुद्ध जयंती महोत्सव के अध्यक्ष क्रमशः धनंजय सुर्वे एवं भरत टपाल सर और उनके पदाधिकारियों ने रोटरी क्लब हॉल में लोकशाहीर विठ्ठल उमप थिएटर द्वारा गीतों का जलसा वामन नव्या दमाने एवं सुधाकर सरवदे ने भारतीय संविधान पर उपस्थितों का मार्गदर्शन किया. संचालन प्रफुल्ल केदारे ने किया. शहर पूर्व बारकू पाडा में आश्रम शाला के विद्यार्थियों ने शिवमंदिर परिसर में प्रभात फेरी निकाली. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और संविधान विषय पर निबंध स्पर्धा का आयोजन किया गया था.

वडोदरा-JNPT राजमार्ग भूमि अधिग्रहण मुआवजे में घेटाला

अम्बरनाथ के किसानों का आमरण अनशन

अंबरनाथ. वडोदरा-जेएनपीटी राष्ट्रीय राजमार्ग जिले से गुजर रहा है। इस उद्देश्य के लिए किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया गया है। तदनुसार, अंबरनाथ तालुका के आदिवासी किसानों की कृषि भूमि भी अधिग्रहित की गई है। लेकिन बदले में उन्हें मुआवजा तो नहीं मिला लेकिन एक-दूसरे से मुआवजा वापस लेने का आरोप लगाते हुए संबंधित आदिवासी किसान बलिराज सेना के नेतृत्व में ठाणे कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं.

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत सरकार के वडोदरा हाईवे के लिए बड़ी मात्रा में किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया है। मौजे दहीवली, ता. अंबरनाथ में क्र.सं. 6/3 में क्षेत्रफल 0.35.40 हेक्टेयर भूमि का भू-अर्जन भी हो चुका है। हालांकि संबंधित किसानों द्वारा इस जमीन का मुआवजा न लेकर एक-दूसरे से जमीन लेने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जा रहा है. बलिराज सेना के संपर्क प्रमुख दशरथ भीर ने कहा कि न्याय पाने के लिए 13 आदिवासी किसान मंगलवार से ठाणे कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए और उनकी मांग है कि इस भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार संबंधित प्रांतीय अधिकारियों और दलालों की गहन जांच की जाए। और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और संबंधित कृषि भूमि का मुआवजा मूल मालिक को दिया जाए।

अंबरनाथ तालुका के दहीवली के सर्वेक्षण संख्या 6/3 में एक आदिवासी किसान की 0.35.40 हेक्टेयर भूमि वडाडेरा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अधिग्रहित की गई है। इस कृषि भूमि का मुआवजा जहां करीब पांच करोड़ 77 लाख रुपये है, वहीं सतबारा (7/12) पर वारिसों को 10-10 लाख रुपये दिए गए। इस हिसाब से कुल एक करोड़ सात लाख रुपये वारिसों के खाते में आए। लेकिन यह 76 लाख रुपये नेरल बैंक से प्रांतीय अधिकारियों और दलालों के नाम पर ट्रांसफर किए गए हैं,

ऐसा याचिकाकर्ता किसानों द्वारा ठाणे के जिला कलेक्टर को की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है। आपस में निकाली गई रकम के अलावा बाकी रकम चार करोड़ सात लाख रुपये दो लोगों के नाम पर रह गई। लेकिन आदिवासी किसानों का आरोप है कि प्रांत और दलाल ने मिलकर उस रकम को गायब कर दिया है. यह घोटाला गंभीर प्रकृति का है और आदिवासी किसान के साथ अन्याय है। अनिश्चितकालीन याचिकाकर्ता बलिराज सेना के पदाधिकारियों और संबंधित आदिवासी किसानों ने ठाणे जिला कलेक्टर से मांग की है कि आदिवासी किसानों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी जांच की जानी चाहिए।

शिंदे के गढ़ में बीजेपी का रहा दबदबा

बीजेपी का स्ट्राइक रेट 100%, शिवसेना का स्ट्राइक रेट 90%

ठाणे. जिले की 18 विधानसभा सीटों पर शिंदेसेना और बीजेपी का दबदबा है और इनमें से 16 सीटों पर महायुति के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है. बीजेपी का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी है, जबकि शिंदेसेना का स्ट्राइक रेट 90 फीसदी है. तो अब बीजेपी ठाणे जिले में बड़ा भाई है। साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि ठाणे जिला शिंदेसेना का गढ़ है, न कि उद्धव सेना का। पिछले मनपा चुनाव में एकनाथ शिंदे ने अकेले दम पर सत्ता हासिल की थी।

पिछली बार भी ठाणे जिले में बीजेपी बड़ा भाई थी. बीजेपी ने नौ सीटों पर चुनाव लड़ा. इनमें से आठ सीटों पर उन्हें सफलता मिली, जबकि शिवसेना को 9 में से 5 सीटों पर सफलता मिली. इसलिए देखा गया कि बीजेपी, शिवसेना पर भारी पड़ रही थी. इस विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने 100 फीसदी स्ट्राइक रेट बरकरार रखते हुए जिले में अपना दबदबा कायम रखा. पिछली बार की तुलना में बीजेपी को एक सीट का इजाफा हुआ है, शिवसेना के अलग होने के बाद यह चुनाव शिंदेसेना के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण था क्योंकि ठाणे जिला मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गढ़ है और इस जिले में वह अपनी ताकत दिखा सकते हैं. शिंदेसेना ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था. भिवंडी पूर्व को छोड़कर शिंदेसेना ने छह सीटें जीतीं। शिवसेना में फूट के बाद पिछली बार की तुलना में शिंदेसेना को एक अतिरिक्त सीट मिली है. इससे जिले में शिंदेसेना का दबदबा भी हो गया.

महागठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद अब इस अनुकूल माहौल में सरकार जल्द ही मुंबई, ठाणे समेत विभिन्न नगर पालिकाओं के चुनाव कराएगी। पिछले मनपा चुनाव में शिवसेना और बीजेपी आमने-सामने थीं. ठाणे में एक सार्वजनिक बैठक में, उद्धव ठाकरे ने इस बात पर नाराजगी जताई कि ठाणे में नौकरशाह मनपा चुनाव के मौके पर राजनीतिक हस्तक्षेप कर रहे हैं। तब भी बीजेपी-शिवसेना का गठबंधन था. लेकिन उद्धव बीजेपी से लड़ रहे थे. जब नतीजे घोषित हुए तो

समृद्धि महामार्ग का अंतिम चरण एक महीने के भीतर खुल जाएगा

- एमएसआरडीसी की ओर से जोरों से किया जा रहा काम

कल्याण. इगतपुरी से ठाणे तक मुंबई-समृद्धि राजमार्ग का अंतिम चरण अगले महीने के भीतर यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। मार्ग का अंतिम चरण अब चल रहा है और इसके पूरा होने के बाद 76 किमी लंबा मार्ग शुरू हो जाएगा। समृद्धि हाईवे पर मुंबई से नागपुर तक लगातार यात्रा करना संभव होगा।

समृद्धि राजमार्ग का अंतिम चरण यातायात के लिए खोले जाने के बाद, नागपुर से प्रस्थान करने वाले वाहन सीधे मुंबई के द्वार तक पहुंच सकेंगे। साथ ही, इस राजमार्ग के पूरे 701 किमी हिस्से को यातायात सेवा में डाल दिया जाएगा। अंतिम चरण में इगतपुरी से आमने तक की सड़क को विधानसभा चुनाव से पहले यातायात के लिए खोला जाना था। हालांकि, इस चरण में इंजीनियरिंग

की दृष्टि से जटिल खर्डी में लगभग 1.5 किमी लंबे पुल का काम बाकी है। अब इस पुल का काम पूरा हो चुका है और केवल अंतिम चरण का काम चल रहा है. इसके अलावा पहले भी एमएसआरडीसी की ओर से इस ब्रिज की जगह पर साइड रोड शुरू करने की कोशिश की गई थी. हालाँकि, आमने से आगे वडपे तक जाने के लिए जहां समृद्धि राजमार्ग समाप्त होता है, वहां बनाई जा रही सड़क का काम अधूरा था। सड़क कार्य के लिए इस क्षेत्र में गोदाम स्थल की आवश्यकता थी। इस जगह को पाने में दिक्कतों के साथ-साथ लगातार बारिश के कारण काम में देरी हुई। हालांकि, अब मॉनसून खत्म होने के बाद एमएसआरडीसी इन कामों को तेजी से पूरा कर रहा है. अधिकारियों ने बताया कि चार किलोमीटर लंबी इस सड़क का काम पूरा होने वाला है और कुछ अंतिम चरण का काम ही बचा है और अगले महीने के भीतर इस सड़क का काम शुरू होना संभव है. इसलिए, नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद अधिकारी संभावना जता रहे हैं कि अगले महीने के भीतर मार्ग के इस आखिरी चरण का उद्घाटन किया जाएगा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

मस्जिद सर्वेक्षण पर बवाल

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जिस तरह हिंसा हुई, उससे साफ है कि राज्य में महज दावों में ही कानून व्यवस्था दिखती है, जमीनी हकीकत कुछ और है। वहां एक मस्जिद का सर्वेक्षण कराने के एक अदालत के आदेश के बाद की स्थितियों का आकलन इतना मुश्किल नहीं था कि उससे निपटने के लिए पूर्व तैयारी न हो। मगर आए दिन कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर सब कुछ दुरुस्त कर देने का दावा करने वाली सरकार ने यह साधारण-सी दूरदर्शिता दिखानी जरूरी नहीं समझी कि कैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इसका नतीजा सामने आया।

रविवार को सर्वेक्षण के दौरान धार्मिक स्थल के बाहर बड़ी संख्या में नागरिक जमा हो गए। इसके बाद तनाव बढ़ता चला गया। सवाल है कि ऐसी नौबत क्यों आई! दूसरी ओर, लोगों में भी यह धारणा क्यों बनी कि सर्वेक्षण की प्रक्रिया जल्दबाजी में की गई। क्या इस मामले में कुछ जरूरी सावधानी नहीं बरती जा सकती थी? जिला प्रशासन को जहां सभी पक्षों को वस्तुस्थिति बता देना चाहिए था, वहां इतने संवेदनशील मामले में ढिलाई बरती गई और इस मसले पर सियासत करने का कुछ दलों को मौका मिल गया।

पुलिस और जिला प्रशासन की इससे बड़ी नाकामी क्या हो सकती है कि संभल के जिस दीप सराय इलाके में सर्वेक्षण के सवाल पर तनाव और टकराव के हालात पैदा हुए और उसे संभालना उसके लिए संभव नहीं हो पाया। लोगों को समझा-बुझा कर शांत करने का विकल्प अपनाया जा सकता था। मगर आखिर ऐसी नौबत क्यों आई कि तनाव पहले टकराव में तब्दील हो गया और उसके बाद कई लोगों की जान चली गई। निश्चित रूप से यह समय पर हालात को काबू में करने में नाकामी का नतीजा था।

इससे उन दावों की हकीकत का भी पता चलता है कि सरकार किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था का उल्लंघन नहीं होने देगी। सच यह है कि अधिकारियों की अदूरदर्शिता के कारण मौके पर हालात बेकाबू हुए। मगर इस हिंसक झड़प में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, इसकी जिम्मेदारी कैसे तय की जाएगी? प्रशासन की सख्ती के बाद स्थिति नियंत्रण में जरूर दिखती है, लेकिन अगर मुद्दे और वक्त की संवेदनशीलता के मद्देनजर जरूरी कार्रवाई का ध्यान रखा जाता, सावधानी बरती जाती, तो वहां जो हुआ, उसे टाला जा सकता था।

जन-जन के मन का दस्तावेज है संविधान

भारतीय संविधान भारत के लोकतंत्र का मूल आधार है। आज भारत का आधुनिक लोकतंत्र 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पूर्ण कर प्रगति पथ पर अग्रसर है। इस 75 वर्षीय यात्रा के केंद्र में हमारा संविधान प्रतिष्ठित रहा है। ध्यातव्य है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान की रचना में भारतीय जीवन मूल्यों की मान्यताओं, आधुनिक शासन और भविष्य की आशाओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति को केंद्र में रखा था।

इन लक्ष्यों की सिद्धि करने वाले दस्तावेज के रूप में हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 को देश की जनता को समर्पित किया गया था। इस दृष्टि से 26 नवंबर भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण तारीख के रूप में दर्ज होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्यवश लंबे समय तक ऐसा नहीं हो सका।

स्वतंत्रता के पश्चात दशकों तक केंद्रीय सत्ता में रही कांग्रेस के विचार में 26 नवंबर का ऐतिहासिक महत्व कभी नहीं आया। वास्तव में, कांग्रेस नेतृत्व सत्ता पर प्रभुत्व एवं नियंत्रण स्थापित रखने को ही लोकतंत्र का प्रमुख उद्देश्य मानता था।

वे स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) तो मनाते रहे, पर 'संविधान दिवस' जैसे महत्वपूर्ण अवसर, जब देश ने संविधान को अंगीकार किया था, को मात्र न्यायपालिका तक सीमित कर दिया। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है।

'संविधान दिवस' की उपेक्षा तो एक विषय है। अन्यथा कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है?

उल्लेखनीय होगा कि इसी विषय पर सर्वोच्च न्यायालय में केशवानंद भारती मामले की ऐतिहासिक सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने माना था कि 'संशोधन करने की शक्ति में संविधान की मूल संरचना या रूपरेखा को बदलने की शक्ति शामिल नहीं है, जिससे कि इसका मूल ही बदल जाए।'

तब जस्टिस सीकरी ने सुनवाई में कहा था कि संविधान में संशोधन' शब्द संसद को मौलिक अधिकारों को निरस्त करने, छीनने या संविधान की मौलिक विशेषताओं को पूरी तरह से बदलने में सक्षम नहीं बनाता है, जिससे इसकी पहचान ही नष्ट हो जाए। बल्कि, इन सीमाओं के भीतर ही संसद हर अनुच्छेद में संशोधन कर सकती है।

स्पष्ट है कि न्यायालय द्वारा संशोधन को लेकर मर्यादा निर्धारित की गई है। अन्यथा अतीत की कांग्रेस सरकारों की मंशा तो संविधान में मनमाने परिवर्तन की ही थी। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा किया भी गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली।

स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। सत्ता में आने के अगले ही वर्ष यानी 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से उपेक्षित 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत कर दी। यह दर्शाता है कि उनमें भारतीय संविधान के प्रति कितनी गहरी सम्मान भावना है।

केंद्र और राज्य के बीच संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करते हुए एक बेहतर तालमेल और संवाद से युक्त व्यवस्था का निर्माण कर संविधान में निहित संघीय ढांचे को मजबूती देने का काम मोदी सरकार ने किया है। इतना ही नहीं, संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर के सम्मान में उनसे संबंधित स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा किया गया है। यह सभी कार्य भारतीय संविधान के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान और प्रतिबद्धता को ही प्रकट करते हैं।

जब हम आत्मा की आँखों से
जीवन को देखते हैं,
तो हमें विश्वास हो जाता है कि
प्रभु हमारी संभाल कर रहे हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर दोहरा रवैया

इसमें कोई दो राय नहीं कि जलवायु संकट आज विश्व भर में सभी देशों की चिंता में सबसे ऊपर है और इसके खतरे को कम करने या इससे पूरी तरह निपटने के लिए सभी देशों को अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति जाहिर करनी होगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दिनोंदिन गहराते जा रहे इस संकट और इसके प्रभाव पर सभी देश विमर्श तो करते हैं, मगर इससे पार पाने के उपायों को लेकर वही देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं, जिनकी भूमिका इस मुश्किल को बढ़ाने में ज्यादा रही है।

विकसित देशों का यह रुख अपने आप में परेशान करने वाला है कि वे पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर हर बार दोहरा रवैया अपनाते हैं और इस मसले पर होने वाली तमाम बैठकों का हासिल अपने किसी मकसद तक नहीं पहुंच पाता। इस बार अजरबैजान के बाकू में भी सीओपी-29 की बैठक में उम्मीद जरूर की गई थी कि शायद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से बढ़ते वैश्विक तापमान और उससे निपटने के उपायों को जमीन पर उतारने को लेकर विकसित देश वास्तव में कुछ ठोस पहल करेंगे। मगर यह अफसोस की बात है कि इस विश्वव्यापी संकट के सवाल पर विकसित देशों को अपनी सुविधा कायम रखना ज्यादा अहम लगता है।

गौरतलब है कि बाकू में संपन्न हुए जलवायु शिखर सम्मेलन में समृद्ध देशों ने जलवायु वित्त पोषण के रूप में हर वर्ष तीन सौ अरब डालर की सहायता देने पर समझौता किया, वह भी सन 2035 से। जबकि विकासशील देशों की मांग तेरह सौ अरब डालर की थी। यानी एक तरह से विकासशील देशों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। विकसित देशों

के रुख और सहायता राशि में इतने बड़े अंतर पर विकासशील देशों के बीच गहरी निराशा पैदा हुई और इस पर मतभेद उभरना स्वाभाविक था।

भारत की ओर से यह साफ तौर पर कहा गया कि वह इस प्रस्ताव को वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करता है, क्योंकि प्रस्तावित राशि बहुत ही कम है और यह हमारे देश के अस्तित्व के लिए जरूरी जलवायु कार्रवाई को असंभव बनाएगी। भारत ने समझौते को अपनाने के तरीके को भी आपत्तिजनक और 'पूर्व नियोजित' बताया। समस्या के स्वरूप और उससे निपटने के उपायों के मद्देनजर भारत की आपत्ति को विकासशील देशों का समर्थन मिला, वहीं विकसित देशों के बीच एक विचित्र चुप्पी देखी गई।

यह सही है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से वैश्विक तापमान में इजाफा हो रहा है और इसमें सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका दुनिया के समृद्ध या विकसित देश ही निभाते हैं। दूसरी ओर, 'ग्लोबल साउथ' के देशों की भूमिका में इसमें अपेक्षया कम है और विकास की निरंतरता को कायम रखने के लिए उनकी कुछ व्यावहारिक जरूरतें हैं। इसी के मद्देनजर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से उपजने वाले संकट से पार पाने में मदद के लिए विकसित देशों का वित्तीय और तकनीकी संसाधन जुटाने का दायित्व है।इसी जिम्मेदारी के तहत विकसित देशों ने सन 2020 से हर वर्ष सौ अरब डालर जुटाने की पेशकश की थी। वह दावा कितना पूरा हुआ, यह सभी जानते हैं। मगर वक्त और जरूरत के मुताबिक तेरह सौ अरब डालर की मांग को सिर्फ तीन सौ अरब डालर तक समेट देने का औचित्य समझ से परे है। सवाल है कि अगर पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के मसले को विकसित देश वास्तव में गंभीर मानते हैं, तो उसके मुख्य कारकों और उसके हल के व्यावहारिक उपायों में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने के बजाय वे अपने कदम पीछे क्यों खींच लेते हैं!

साइकिल से लंदन जा रही 28 साल की ये लड़की!

आज के समय में लोग घर से कुछ ही दूरी पर बनी किराने की दुकान भी पैदल नहीं जाना पसंद करते. ऐसे में सोचिए

जरा हट के

अगर एक महिला, 1500 किलोमीटर का सफल तय करे, वो भी साइकिल से. ऊंचे पहाड़, घने जंगल, जोखिम भरे रास्ते पार करते हुए अपनी मंजिल की ओर बढ़ रही है. दरअसल, 28 साल की निशा, जो पिछले साल माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली वडोदरा की निवासी हैं, अब एक नई साहसिक यात्रा पर निकल गईं हैं. वह इस साइकिल यात्रा पर निकली, जो 16 देशों के बीच होगी. निशा ने बताया था कि उनकी यात्रा 23 जून को गुजरात के वडोदरा शहर से शुरू हुई थी. वह अहमदाबाद होते हुए राजस्थान के रास्ते दिल्ली तक पहुंचने का लक्ष्य रखती हैं, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने की कोशिश की. इसके बाद वह, आगरा और गोरखपुर होते हुए मैं नेपाल पहुंची. निशा ने बताया, "नेपाल

से तिब्बत होते हुए मैं चीन के सिनो-इंडियन बॉर्डर से प्रवेश करूंगी. इसके बाद, मैं किर्गिज़स्तान, कजाखस्तान, उज़्बेकिस्तान, रूस होते हुए यूरोप की ओर बढ़ूंगी."

उनकी योजना के अनुसार, निशा लगभग 180 से 200 दिनों में लंदन पहुंचने की उम्मीद करती हैं, रास्ते में वे लातविया, फ्रांस और चेक गणराज्य जैसे देशों से गुजरेंगी. निशा ने बताया, "मेरा लक्ष्य यह यात्रा लगभग 133 दिनों में पूरी करने का है, और यह यात्रा भारतीय नववर्ष के आसपास यानी नवम्बर की शुरुआत में समाप्त होगी. मैं प्रतिदिन औसतन 80 से 100 किलोमीटर साइकिल चलाऊंगी, और मेरे साथ एक बैकअप कार भी होगी, जिसमें मेरे साथी निलेश बारोट भी यात्रा करेंगे."

निलेश बारोट ने बताया, "यह यात्रा वैश्विक तापन के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से है, जिसमें हमारा नारा है 'परिवर्तन करें, जलवायु परिवर्तन को बदलें'. हम 200 शहरों में वृक्षारोपण करेंगे और लोगों को पर्यावरण के महत्व के बारे में बताएंगे." बता दें कि इस अभियान की लागत 60 लाख रुपये से अधिक होने का अनुमान है, जिसके लिए कई स्पॉन्सर्स ने उनकी मदद की है.

रूटीन में छोटा सा बदलाव दे सकता है लंबी उम्र

■ जानें क्या है ऑटोफैजी जिसका सिद्धू ने किया जिक्र?

नवजोत सिंह सिद्धू ने हाल ही में अपनी वाइफ की कैंसर डायट साझा की है। इसमें एक वैज्ञानिक योशिनोरी ओहसुमी (yoshinori ohsumi) को भी क्रेडिट दिया है। इन साइंटिस्ट को ऑटोफैजी के लिए नोबल प्राइज मिला है। ऑटोफैजी को साधारण भाषा में समझें तो शरीर में खाने की कमी होने पर सेल्स बैक्टीरिया- वायरस को खत्म करने लगती हैं। यह प्रॉसेस बॉडी की खराब प्रक्रिया को भी खत्म करती है। योशिनोरी ने व्रत रहने या इंटरमिटेंट फास्टिंग के कई फायदे बताए हैं।

बड़ी बीमारियों से बचा सकती है ऑटोफैजी

ओहसुमी की 1980-90 की रिसर्च में सामने आया कि डेमेंशिया और पार्किंसंस जैसी बीमारियों के बचाव में ऑटोफैजी का बड़ा रोल है। जब ओहसुमी ने रिसर्च शुरू की तो करीब 20 पेपर्स पब्लिश हुए थे। अब इस विषय पर हर साल लगभग 5000 पेपर्स पब्लिश हो रहे हैं क्योंकि ऑटोफैजी का रोल कैंसर से बचाव और लंबी उम्र जीने में भी माना जा रहा है।

12 घंटे गैप करना सबसे आसान

वैसे व्रत रहना पुराने समय से अलग-अलग धर्मों का हिस्सा रहा है। ब्लू जोन जहां के लोगों को सबसे ज्यादा लंबी जिंदगी जीने वाला माना जाता है, वे लोग हर साल 150 दिन का व्रत रहते हैं। अगर आप फास्टिंग या व्रत रहने को अपने जीवन में शामिल करना चाहते हैं तो सबसे अच्छा तरीका है कि खाने में 12 से 14 घंटे का अंतर रखें। अगर आप लंबे वक्त के लिए व्रत रखना चाहते हैं तो बिना डॉक्टर की सलाह पर न करें।

व्रत रहने के कई सारे फायदे

वैज्ञानिकों को पता लगा कि 12 से लेकर 24 घंटे तक अगर हम कुछ नहीं खाते तो शरीर में ऑटोफैजी ट्रिगर हो जाती है। इसीलिए माना जाता है कि जो लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक खाते हैं या व्रत रहते हैं वे लंबी उम्र तक बिना बीमारियों के जीते हैं। व्रत से जुड़ी एक बड़ी स्टडी में सामने आ चुका है कि इससे ब्लड शुगर इम्प्रूव होती है, इन्फ्लेमेशन घटता है, वजन कम होता है और ब्रेन फंक्सन बेहतर होता है। इतना ही नहीं कुछ सेल्स में एक्सरसाइज भी ऑटोफैजी को ट्रिगर करती है।

पंजाबी दम आलू

सामग्री

पंजाबी दम आलू बनाने के लिए आपको छोटे साइज के आधा किलो आलू की जरूरत होगी. इनका साइज ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए. इसके अलावा 2 कप टमाटर प्यूरी, 1 चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच प्याज का पेस्ट, 10 पीस काजू, 1 चम्मच अदरक का पेस्ट, 4 बड़े चम्मच धनिया पत्ती, 2 चम्मच धनिया पाउडर, 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच गरम मसाला पाउडर, 2 चम्मच सौंफ के बीज का पाउडर, 2 काली इलायची, 2 दालचीनी स्टिक, 5 बड़े चम्मच वेजिटेबल ऑयल और आवश्यकता के अनुसार नमक की जरूरत होगी.

विधि

सबसे पहले आप आलू को पानी से अच्छी तरह धोकर किचन टॉवल से पोंछकर सुखा लें. इन्हें छीलकर एक कटोरे में अलग रख लें. फिर मध्यम आंच पर एक बड़ा पैन रखें और उसमें तेल डालें. जब

तेल अच्छे से गर्म हो जाए तो इसमें इन आलूओं को डालें और गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें. फ्राई हो जाने पर, उन्हें एक अलग कटोरे में निकाल लें. इसके बाद आप काजू को एक कटोरी पानी में कुछ देर के लिए भिगो दें और फिर उन्हें पीसकर पेस्ट बना लें. उसी ग्राइंडर जार में प्याज का पेस्ट, अदरक का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और टमाटर की प्यूरी डालें. इन्हें पीसकर पेस्ट बना लें और एक तरफ रख दें. अब मीडियम आंच पर एक पैन रखें और उसमें तेल डालें. जब तेल अच्छे से गर्म हो जाए तो इसमें बड़ी इलायची के साथ सौंफ और दालचीनी डालें. इन्हें एक मिनट तक भूनें. फिर पैन में ऊपर तैयार किया हुआ पेस्ट डालें और 5-7 मिनट तक भूनें जब तक कि पेस्ट अच्छी तरह भुन न जाए.

कुछ देर बाद इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए. अब पैन में पानी डालें और इसे बीच-बीच में लगातार हिलाते हुए मध्यम आंच पर उबलने दें. अब इसमें तले हुए आलू डालें और 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं जब तक कि ग्रेवी थोड़ी गाढ़ी न हो जाए. कुछ देर बाद इसके ऊपर नींबू का रस और थोड़ा नमक छिड़कें और अच्छी तरह मिला लें. अब आपका पंजाबी दम आलू तैयार है. इन्हें एक सर्विंग डिश में डालें और गर्मागर्म परोसें.

फूलगोभी-पत्तागोभी में छिपे रहते हैं कीड़े

■ इन टिप्स की मदद से करें मिनटों में साफ

फूलगोभी और पत्तागोभी ऐसी सब्जी है, जिसमें छिपा कीड़ा नजर नहीं आता. कई बार कीड़ा गोभी के रंग का ही होता है, जिसे पहचानकर निकाल पाना मुश्किल हो जाता है. इसी डर से लोग गोभी नहीं खाते हैं. ऐसे में आज हम आपको ऐसी ट्रिक बताने जा रहे हैं, जिससे गोभी के किसी भी कोने में छिपा

कीड़ा निकलकर बाहर भागने लगेगा. जानिए गोभी का कीड़ा निकालने का क्या उपाय करें.

फूलगोभी और पत्तागोभी के कीड़े पत्तों के अंदर छिपे रहते हैं. इसके लिए जरूरी है कि आप गोभी को अच्छी तरह से छोटे टुकड़ों में काट लें. अब एक बड़े बर्तन में गर्म पानी लें और उसमें नमक डाल दें. इस पानी में गोभी को 10-15 मिनट के लिए भिगो दें. इससे डिहाइड्रेशन की वजह से गोभी के अंदर फंसे सारे कीड़े आसानी से निकल जाएंगे या मर जाएंगे.

पत्तागोभी को साफ करने के लिए आपको सबसे पहले इसे अच्छे से काट लेना है. काटने के बाद पानी के नीचे किसी बर्तन में रखकर अच्छी तरह से 2-3 बार धो लीजिए. अब एक बर्तन में पानी लें और उसमें विनेगर डालकर मिक्स कर दें. इस घोल में पत्तागोभी को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें. दरअसल, विनेगर की टाणुओं, बैक्टीरिया और फफूंद को हटाने में मदद करता है. इससे आपकी पत्तागोभी क्लीन हो जाएगी.

पत्तागोभी की परत में कीड़े लगे होते हैं. इन्हें हटाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी लें और उसमें नमक और हल्दी मिला लें. इस पानी में कटी हुई पत्ता गोभी को भिगो दें. करीब 15-20 मिनट के लिए गोभी को पानी में ही पड़ा रहने दें. फिर एक बार साफ पानी से अच्छी तरह धोकर गोभी को सब्जी बनाने के लिए इस्तेमाल करें. इससे गोभी के अंदर का कीड़ा मर जाएगा या निकलकर भाग जाएगा.

ब्लड प्रेशर लो की शिकायत है तो जान लें सही तरीके से मैनेज करना

ब्लड प्रेशर लो होना भी काफी सारे लोगों में कॉमन है। लेकिन कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर लो होने पर किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। वहीं कुछ लोग लो ब्लड प्रेशर की वजह से चक्कर आना, सिर भारी लगना, थकान, कमजोरी जैसी समस्या को झेलते हैं। अगर आपका ब्लड प्रेशर लो है और इस तरह की परेशानियां पैदा हो रही हैं तो जरूरी है कि ब्लड प्रेशर को सही तरीके से मैनेज किया जाए। लो ब्लड प्रेशर को मैनेज करने के लिए एक्सपर्ट के बताए इन 5 कामों को करें।

■ लो ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर करें ये 5 काम

न्यूट्रशनिस्ट अंजली मुखर्जी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर लो ब्लड प्रेशर को मैनेज करने के लिए 5 तरीके बताएं हैं। जिन्हें फॉलो कर लो ब्लड प्रेशर की समस्या को हैंडल किया जा सकता है।

■ प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें

ब्लड प्रेशर लो रहता है और इसकी वजह से सिर दर्द, सिर भारी लगना, चक्कर आना, थकान और कमजोरी सी महसूस हो रही है तो अपने खाने में प्रोटीन की मात्रा को बढ़ा दें। रोजाना लगभग 50 ग्राम प्रोटीन जरूर शामिल करें। इससे ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रहने में मदद मिलेगी।

■ थोड़े-थोड़ समय पर खाएं

अगर लो ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती है तो लंबे समय तक फास्टिंग करना ठीक नही है। हर दो-से तीन घंटे के बीच में कुछ खाते रहना चाहिए। ऐसा करने से शरीर को नमक, पानी जैसी चीजें मिलती रहती है।

■ साल्ट वाले फूड खाएं

हर मील में साल्ट वाले फूड को शामिल करें। नमक की मात्रा शरीर में कम ना होने पाएं। शरीर में सोडियम की मात्रा कम होने की वजह से ही ज्यादातर ब्लड प्रेशर लो हो जाता है।

■ हाइड्रेट रहें

दिनभर खुद को हाइड्रेट रखें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। नींबू के रस को पानी में मिलाएं और नमक डालकर पिएं। ऐसा करने से शरीह हाइड्रेटेड बना रहता है और सोडियम की मात्रा भी बराबर बनी रहेगी।

■ शिलाजीत करेगा हेल्प

शिलाजीत आयुर्वेदिक है और इसे हाई ब्लड प्रेशर में खाने से मना किया जाता है। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लो है वो इसे खाकर ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बना सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आज्ञानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें।

वृष : बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा।

मिथुन : मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। संतान पर ध्यान दें।

कर्क : उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक तंगी रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

सिंह : राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुएँ क्रय करेंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या : फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अतः सावधान रहें। व्यापार में सफलता मिलेगी।

तुला : रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। सुसंगति से लाभ होगा।

वृश्चिक : योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी। समाज-परिवार में आदर मिलेगा।

धनु : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा।

मकर : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी।

कुंभ : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। अनावश्यक विवाद होगा। व्यावसायिक योजनाएँ क्रियान्वित नहीं हो पाएँगी।

मीन : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कश्मकश दूर होगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

विश्वनाथ मंदिर वाले इलाके से लगातार सात बार विधायक रहे 'दादा' का निधन

वाराणसी. काशी विश्वनाथ मंदिर वाले इलाके शहर दक्षिणी से लगातार सात बार भाजपा से विधायक रहे श्याम देव राय चौधरी 'दादा' का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। 85 वर्षीय दादा को ब्रेन हेमरेज के बाद कई दिनों से रवींद्रपुरी स्थित अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पीएम मोदी ने दादा के साथ अपनी तस्वीर शेयर कर एक्स पर लिखा कि जनसेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता श्यामदेव राय चौधरी जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। स्नेह भाव से हम सभी उन्हें 'दादा' कहते थे। उन्होंने ना केवल संगठन को सींचने और संवारने में अहम योगदान दिया, बल्कि काशी के विकास के लिए भी वे पूरे समर्पण भाव से जुटे रहे। उनका जाना काशी के साथ-साथ पूरे राजनीतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों और समर्थकों को संबल प्रदान करे।

गोंडा में पुलिस एनकाउंटर, 4 बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

गोंडा. गोंडा में नगर कोतवाली और देहात कोतवाली पुलिस, एसओजी टीम से सुबह भोर में चार बदमाशों की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक कार, बाइक, तमंचा,25 हजार नगदी और दो मोबाइल फोन बरामद किए है। मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे कटहाघाट के पास बनवरिया मोड़ पर एसयूवी व बाइक सवार बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया गया। इस पर बदमाशों ने पुलिस को देखकर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से एक बदमाश अभिनव उर्फ रौनक सिंह घायल हो गया। तीन बदमाश आकाश सिंह, रिषभ सिंह, आदेश पाण्डेय को पकड़ लिया।

शादी में सिरफिरे ने दुल्हन की गर्दन पर चाकू से किए वार, दूल्हे ने शादी से कर दिया इनकार

मुजफ्फरनगर. मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर क्षेत्र में हाईवे पर स्थित एक होटल में विवाह समारोह के दौरान सिरफिरे ने चाकू से दुल्हन की गर्दन पर कई वार कर दिए। दुल्हन की चीख पुकार सुन वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को दबोचा और जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं देर रात दोनों पक्षों के बीच वार्ता चलती रही। वहीं देर रात दूल्हे ने शादी से इनकार कर दिया। शामली के कैराना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार की बेटी का रिश्ता सहारनपुर जनपद के देवबंद निवासी युवक के साथ हुआ था। सोमवार को विवाह का कार्यक्रम हाईवे पर स्थित एक होटल में रखा गया था। दोपहर में दुल्हन और परिवार की कुछ महिलाएं वहां मौजूद थीं। दुल्हन के परिवार का दूर का रिश्तेदार कैराना निवासी एक युवक दुल्हन के कमरे में पहुंच गया। युवक ने बात करने के बहाने अचानक दुल्हन पर चाकू से हमला कर दिया।

परिवार के 32 वोट भी नहीं मिले!

■ **EVM के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में शरद पवार की एनसीपी**

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, एनसीपी और उद्धव सेना के गठजोड़ को करारी हार मिली है। नतीजा आए तीन दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक महाविकास अघाड़ी के नेता इस हार को स्वीकार नहीं कर पाए हैं। संजय राउत तो लगातार ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं और उनका कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने चाहिए। इस बीच शरद पवार की एनसीपी के सीनियर नेता जितेंद्र अव्हाड ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी हार के लिए कोई एक कारण नहीं मान सकते। यही नहीं अव्हाड ने कहा कि मुझे तो यकीन नहीं होता कि लड़की बहिन योजना का इतना असर हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'कोई एक कारण सामने नहीं आ रहा है। चुनाव के बाद कुछ बदला नहीं था। बेरोजगारी और महंगाई में इजाफा हुआ है। लड़कि बहिन योजना का कोई इतना असर नहीं होता है। जैसे चंद्रपुर की सीट आप देखेंगे तो वह हमने 2 लाख 40 हजार के अंतर से जीती थी। अब आप देखिए कि वह 2 लाख 40 हजार तो गए ही उसके ऊपर 1

लाख वोट और कैसे चले गए। ऐसा नहीं हो सकता। यहां तक कि जीते हुए विधायकों ने भी कहा कि साहब हम जीतकर आए हैं, लेकिन कहीं न कहीं ईवीएम का बड़ा मसला है। इसके खिलाफ पूरे राज्य में आंदोलन खड़ा हो सकता है। अभी कई गांव खड़े हुए हैं। वहां लोगों का कहना है कि जब हमने वोट ही नहीं दिया तो आए कहां से।'

अव्हाड ने कहा, 'एक परिवार में 32 वोट हैं। उन सभी लोगों ने अपने घर के कैंडिडेट को वोट दिया है। फिर भी उसे जीरो वोट दिखाया है। ऐसा कैसे हो सकता है?' इससे पहले संजय राउत ने मांग उठाई थी कि दोबारा चुनाव होने चाहिए और वोटिंग बैलेट पेपर से कराई जाए। राउत ने कहा, 'ईवीएम को लेकर हमें करीब 450 शिकायतें मिलीं। बार-बार आपत्ति जताए जाने के बावजूद इन मामलों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम कैसे कह सकते हैं कि ये चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए? इसलिए मेरी मांग है कि नतीजों को रद्द किया जाए और दोबारा चुनाव मत पत्रों के जरिए कराए जाएं।'

संजय राउत बोले- कैंडिडेट के परिवार में 65 वोट, पर मिले सिर्फ 4

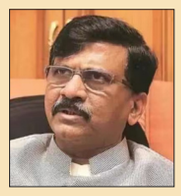

उन्होंने कहा कि नासिक में एक उम्मीदवार को कथित तौर पर केवल चार वोट मिले, जबकि उसके परिवार के 65 वोट थे। उन्होंने कहा कि डोंबिवली में ईवीएम की गिनती में विसंगतियां पाई गईं और चुनाव अधिकारियों ने आपत्तियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। शिवसेना यूबीटी के नेता ने कुछ उम्मीदवारों की भारी जीत की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाते हुए कहा, 'उन्होंने ऐसा कौन सा क्रांतिकारी काम किया जो उन्हें 1.5 लाख से अधिक वोट मिले? यहां तक कि हाल में पार्टी बदलने वाले नेता भी विधायक बन गए। इससे संदेह पैदा होता है। पहली बार शरद पवार ने ईवीएम पर संदेह व्यक्त किया है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''

'घर के बाहर शक्ति प्रदर्शन ना करें'

■ **CM पद की गहमागहमी के बीच समर्थकों से बोले एकनाथ शिंदे**

मुंबई. महाराष्ट्र के निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को अपने समर्थकों से कहा कि वे उनके मुख्यमंत्री बने रहने के पक्ष में समर्थन जताने के लिए दक्षिण मुंबई स्थित उनके सरकारी आवास 'वर्षा' के बाहर इकट्ठा होकर शक्ति प्रदर्शन ना करें। शिंदे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'महायुति गठबंधन की बड़ी जीत के बाद राज्य में एक बार फिर हमारी सरकार बनेगी। हमने एक महागठबंधन के रूप में मिलकर चुनाव लड़ा और हम आज भी साथ हैं।'

उन्होंने अपने समर्थकों से 'वर्षा' के बाहर या उनके समर्थन में किसी अन्य स्थान पर इकट्ठा नहीं होने की अपील की। शिंदे ने कहा, 'मेरे प्रति प्रेम के कारण कुछ लोगों ने सभी से मुंबई आने और एकत्र होने की अपील की है। मैं आपके प्यार के लिए बहुत आभारी हूं लेकिन मैं अपील करता हूं कि कोई भी मेरे समर्थन में इस तरह से एकत्र ना हों।'

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने

288 सदस्यीय विधानसभा में 230 सीट जीतकर भारी जीत हासिल की है, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं में अब तक इस बात पर सहमति नहीं बन पाई है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए।

शिंदे के समर्थक कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहिए क्योंकि उनके नेतृत्व में भारी जीत हासिल हुई है। राज्य विधानसभा चुनावों में अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाने की वकालत कर रहे हैं।

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को 132 सीट मिली थीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को क्रमशः 57 और 41 सीट मिली थीं। राज्य में 20 नवंबर को हुए चुनावों के लिए मतगणना शनिवार को हुई थी।

10 राज्यों में घना कोहरा

■ **MP में तापमान 63 से नीचे पहुंचा**

■ **हिमाचल में 4 दिन बाद बर्फबारी होगी**

नई दिल्ली. देश के उत्तरी राज्यों में ठंड का असर कम नहीं हो रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत 10 राज्यों में मंगलवार को घना कोहरा देखने को मिल सकता है। इससे कई शहरों में विजिबिलिटी भी घट गई है। सबसे कम विजिबिलिटी त्रिपुरा के अगरतला और हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में दर्ज की गई। दोनों जगहों पर मंगलवार सुबह पर 50 मीटर से दूर देखना मुश्किल हो रहा था। वहीं, बिहार के पुर्णिया और भागलपुर में विजिबिलिटी 200 मीटर दर्ज की गई।

हिमाचल प्रदेश में 2 दिन पहले हुई बर्फबारी अब रुक गई है, लेकिन लाहौल स्पीति और कल्पा इलाके में तापमान 0 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि यहां 4 दिन बाद बर्फबारी हो सकती है। तब तक न्यूनतम तापमान में इससे ज्यादा गिरावट के आसार कम हैं।

उधर, मध्य भारत के राज्यों- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ठंड का असर कम हो गया है। सिर्फ MP के पचमढ़ी में तापमान 5.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

आईपीएस रश्मि शुक्ला की महाराष्ट्र के डीजीपी पद पर वापसी

■ **चुनाव से पहले हुआ था तबादला**

मुंबई. महिला आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक (DGP) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। साथ ही, चुनाव आयोग से आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ तुरंत

कार्रवाई करने की मांग की थी। कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने सोमवार को चुनाव आयोग से मांग रखी कि वह उल्लंघन का गंभीरता से संज्ञान ले और शुक्ला के खिलाफ तत्काल कार्रवाई शुरू करे।

अतुल लोंढे ने दावा किया कि रश्मि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री फडणवीस से उस समय मुलाकात की, जब आदर्श आचार संहिता लागू थी। आरोप है कि शुक्ला ने 23 नवंबर की शाम को फडणवीस से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी, जिस दिन मतों की गिनती हो रही थी। इस महीने की शुरुआत में, निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र सरकार को पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला करने का निर्देश दिया था। निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे सीनियर आईपीएस अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया था।

फोन टैप करने समेत कई गंभीर आरोप'

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, 'रश्मि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री से तब मुलाकात की जब आचार संहिता लागू थी, जो स्पष्ट रूप से इसका उल्लंघन है। निर्वाचन आयोग को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।' उन्होंने तेलंगाना में इसी तरह की एक घटना का हवाला दिया, जहां एक डीजीपी और एक वरिष्ठ अधिकारी ने चुनाव के दौरान मंत्री से मुलाकात की थी। इसे लेकर चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की थी। शुक्ला के खिलाफ पिछले आरोपों का उल्लेख करते हुए लोंढे ने कहा, 'रश्मि शुक्ला पर विपक्षी नेताओं के फोन टैप करने सहित कई गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान उन्हें डीजीपी के पद से हटाने की मांग की थी और उन्हें हटा दिया गया था।'

राहुल गांधी ने नहीं मानी सलाह?

INDI गठबंधन के दल कांग्रेस पर फोड़ने लगे महाराष्ट्र में हार का ठीकरा

नई दिल्ली. महाराष्ट्र में कांग्रेस की अगुआई में चुनाव लड़ने वाली महाविकास अघाड़ी की करारी हार के बाद गठबंधन के सहयोगी राहुल गांधी पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। ईडी गठबंधन में रार चुनाव परिणाम आते ही देखने को मिलने लगी। पहला संकेत तो यही था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गठबंधन की बैठक बुलाई और इसमें टीएमसी का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ। बाद में टीएमसी नेता ने यह भी कहा कि अब गठबंधन का नेतृत्व टीएमसी को करना चाहिए।

टीएमसी ने कहा कि उसेक नेता कोलकाता में होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में व्यस्त थे। संसद का सत्र भी शुरू होने वाला था। ऐसे में भी टीएमसी नेता का दिल्ली में बैठक में शामिल ना होना कांग्रेस के लिए चिंता की बात है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक एक टीएमसी नेता ने कहा, टीएमसी ने अपने दम पर उपचुनाव में सभी छह सीटें जीत

लीं। बीजेपी के अलावा कांग्रेस और सीपीएम भी सामने थे। हम चुनावी गठबंधन में नहीं हैं इसलिए यह भी जरूरी नहीं है कि किसी पार्टी के लिए जवाबदेह हों।

टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने यहां तक कहा कि ममता बनर्जी को इंडिया का मुखिया बना देना चाहिए। इंडिया गठबंधन के नेता राहुल गांधी को भी इस हार के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका कहना है कि चुनाव के दौरान वीर सावरकर का नाम लेकर हमला करना, कांग्रेस ही नहीं बल्कि उसके सहयोगियों के भी खिलाफ चला गया। बहुत सारे लोगों की भावनाएं आहत हुईं और इसी दौरान 'बटोगे तो कटोके' का नारा आ गया। राहुल गांधी फिर भी नहीं रुके और उसी तरह हमला करते चले गए।

इंडिया गठबंधन के दलों का कहना है कि जातिगत सर्वे की बात भी नुकसानदेह साबित हुई। बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो आरक्षण खत्म कर देगी और महाविकास अघाड़ी इसे काउंटर नहीं कर पाया। इसके अलावा राहुल गांधी ने सीधा प्रधानमंत्री पर हमला करना शुरू किया। कई सहयोगियों ने समझाया भी कि इससे काम नहीं बनने वाला है। इसके बाद भी उन्होंने किसी सलाह पर ध्यान नहीं दिया और अपने अंदाज में हमला करते चले गए। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के कुछ करीबियों ने भी उन्हें समझाया था कि संविधान खतरे में हैं, वाली बात ना दोहराएं। इसके बाद भी राहुल गांधी ने अपना पुराना अंदाज जारी रखा।

IPL मेगा ऑक्शन में 182 प्लेयर्स बिके

■ **639.15 करोड़ खर्च**

■ **ऋषभ पंत इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी**

■ **13 साल के वैभव सबसे युवा**

सऊदी अरब के जेद्दाह में 2 दिन चला IPL का मेगा ऑक्शन पूरा हो गया। ऑक्शन में 182 खिलाड़ी बिके, इसमें 62 विदेशी खिलाड़ी हैं। 8 बार राइट टु मैच का इस्तेमाल किया गया। 10 फ्रेंचाइजी ने 639.15 करोड़ खर्च किए।

ऋषभ पंत इतिहास के सबसे मंहगे खिलाड़ी बने, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं, 13 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ U-19 में शतक लगाने वाले बिहार के लेफ्ट हैंड बैटर वैभव सूर्यवंशी IPL के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव को राजस्थान रॉयल्स (RR) में खरीदा।

IPL मेगा ऑक्शन के हाईलाइट्स

■ **पंत सबसे महंगे खिलाड़ी**

ऋषभ पंत को 27 करोड़ में लखनऊ और श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपए में पंजाब ने खरीदा। इंग्लैंड के जोस बटलर सबसे महंगे विदेशी रहे, उन्हें 15.75 करोड़ रुपए में गुजरात टाइटंस ने खरीदा।

■ **वेंकटेश सबसे महंगे ऑलराउंडर**

वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपए में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोयनिस सबसे महंगे विदेशी ऑलराउंडर हैं, उन्हें पंजाब किंग्स ने 11 करोड़ रुपए में खरीदा।

■ **अर्शदीप सबसे महंगे पेसर**

अर्शदीप सिंह को 18 करोड़ रुपए में पंजाब किंग्स ने खरीदा। जोश हेजलवुड, जोफ्रा आर्चर और ट्रेंट बोल्ट सबसे महंगे विदेशी पेसर रहे। तीनों को अलग-अलग टीमों ने 12.50 करोड़ रुपए में खरीदा।

■ **युजवेंद्र सबसे महंगे स्पिनर**

युजवेंद्र चहल को पंजाब किंग्स ने सबसे ज्यादा 18 करोड़ रुपए देकर खरीदा। रविचंद्रन अश्विन भी 9.75 करोड़ रुपए में बिके। अफगानिस्तान के नूर अहमद सबसे महंगे विदेशी स्पिनर रहे, उन्हें चेन्नई ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा।

■ **रसिख डार सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी**

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज रसिख डार को अपनी बेस प्राइस 20 गुना ज्यादा कीमत मिली। RCB ने दाएं हाथ के पेसर को 6 करोड़ रुपए में खरीदा। वे 30 लाख की बेस प्राइस के साथ ऑक्शन में उतरे थे।

भारत का संविधान अब संस्कृत और मैथिली में भी

नई दिल्ली. भारत का संविधान अब आप संस्कृत और मैथिली भाषा में भी पढ़ सकेंगे। संविधान निर्माण के 75 साल पूरे होने के मौके पर मंगलवार को इन भाषाओं में प्रतियों का विमोचन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मौजूद थीं तो दोनों सदनों के स्पीकर, पीएम नरेंद्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी थे। संविधान दिवस पर एक विशेष डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया गया है। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह संविधान देश को मेधावी लोगों की देन है। इसने देश की विविधता को अभिव्यक्ति दी है। राष्ट्रपति ने कहा कि बीते 75 सालों में हमारा देश विश्व बंधु के रूप में उभरा है। आज कृतज्ञ राष्ट्र अपने संविधान निर्माताओं को नमन करता है। हमने इस अवधि में काफी प्रगति की है और अब तो महिला सशक्तीकरण की ओर हम बढ़े हैं। इस दौरान राष्ट्रपति ने महिला सांसदों के योगदान की भी सराहना की।

रैपर बादशाह के क्लब के बाहर फेंके गए बम

■ **चंडीगढ़ में दो जगहों पर हुआ धमाका**

चंडीगढ़. चंडीगढ़ में मंगलवार सुबह दो नाइट क्लबों के बाहर धमाके होने से सनसनी फैल गई। चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में सेविले बार एंड लाउंज और डिओरा क्लब के बाहर बाइक सवार दो नकाबपोशों ने बम फैंके और मौके से फरार हो गए। सेविले बार एंड लाउंज क्लब में मशहूर रैपर बादशाह की हिस्सेदारी है। धमाके के चलते क्लब के बाहर लगे शीशे टूट गए। पुलिस जांच में पता चला है कि क्लबों के बाहर देसी बम फेंके गए थे जो कम तीव्रता के थे, वारदात में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस और फोरेंसिक

टीम ने घटनास्थल से सैंपल लिए हैं।

वहीं राजधानी चंडीगढ़ में यह वारदात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक पहले होने से सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के 3 दिसंबर को चंडीगढ़ आ रहे हैं। चंडीगढ़ के जिस इलाके में धमाके हुए, वह पॉश एरिया है।

वारदात के वक्त बंद थे क्लब

डीएसपी दिलबाग सिंह ने बताया कि सुबह 3.25 बजे हमें कंट्रोल रूम पर सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर गई तो वहां क्लब के शीशे टूटे हुए थे। बयान दर्ज करने के बाद पुलिस मामला दर्ज कर लिया है। नकाबपोश आरोपी सेक्टर-26 थाने के आगे से आए थे। आरोपियों ने स्लिप रोड पर बाइक खड़ी की। पहले उन्होंने सेविले बार एंड लाउंज के बाहर देसी बम फेंका। इसके बाद वे डिओरा क्लब के बाहर बम फेंकने पहुंचे। इन दोनों क्लबों के बीच करीब 30 मीटर की दूरी है।

चंडीगढ़ में क्लबों के बाहर जिस समय धमाके हुए, उस समय क्लब बंद थे। इस कारण जानी नुकसान नहीं हुआ। मौके पर केवल सिक्युरिटी गार्ड थे, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। गार्ड पूर्ण सिंह ने बताया है कि आरोपी बाइक पर आए थे। एक युवक बाइक स्टार्ट कर खड़ा था, दूसरे युवक ने विस्फोटक फेंका। दोनों के मुंह कपड़े से ढके थे।

फिरौती का शक

पुलिस इस वारदात के पीछे फिरौती के अंगल से भी जांच कर रही है। चंडीगढ़ के कई क्लब संचालकों से गैंगस्टर वसूली कर चुके हैं और कई को धमकी भी मिल चुकी है। ऐसे मे घटना के पीछे वसूली का मकसद हो सकता है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बैलेट पेपर से वोटिंग की मांग खारिज

■ **सुप्रीम कोर्ट बोला- चुनाव जीतने वाले EVM पर सवाल नहीं उठाते, हारने पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हैं**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलेक्शन में बैलेट पेपर वोटिंग सिस्टम को दोबारा शुरू करने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

याचिकाकर्ता केए पॉल ने कहा- चंद्रबाबू नायडू और वाईएस जगन मोहन रेड्डी जैसे नेताओं ने भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) से छेड़छाड़ पर सवाल उठाए हैं।

इस पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, 'चंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हारते हैं तो कहते हैं कि EVM से छेड़छाड़ होती है और जब वे जीतते हैं तो वे कुछ नहीं कहते हैं।'

बेंच ने कहा कि हम इसे कैसे देख सकते हैं। हम इसे खारिज कर रहे हैं। ये वो जगह नहीं है जहां आप इस सब पर बहस करें।

बेंच ने केए पॉल से कहा कि आप इस राजनीतिक क्षेत्र में क्यों आ रहे हैं? आपका कार्य क्षेत्र बहुत अलग है।

पॉल ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं, जिसने 3 लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं

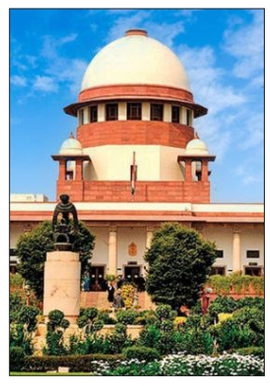

का रेस्क्यू किया है।

अमेरिका जैसे देशों में भी बैलेट पेपर से वोटिंग

पॉल ने कहा कि EVM से छेड़छाड़ की जा सकती है। अमेरिका जैसे देशों में भी बैलेट पेपर से वोटिंग होती है। हमें इसे फॉलो करना चाहिए। EVM लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। एलन मस्क भी EVM से छेड़छाड़ की चिंता जताई है।

कम से कम 5 साल के अयोग्य हो उम्मीदवार

याचिकाकर्ता केए पॉल ने बेंच से चुनाव आयोग को निर्देश देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान वोटर्स को पैसा, शराब और दूसरी चीजों का लालच देने का दोषी पाए जाने पर ऐसे उम्मीदवारों को कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाए।

क्या एक पार्टी तय करेगी कि सुप्रीम कोर्ट किस मामले को सुने

■ **उद्धव सेना के आरोप पर डीवाई चंद्रचूड़**

नई दिल्ली. देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शिवसेना (यूबीटी) की ओर से लगाए गए आरोपों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कोई एक पार्टी यह नहीं तय कर सकती कि सुप्रीम कोर्ट को किस मामले की सुनवाई करनी चाहिए। दरअसल, शिवसेना नेता संजय राउत ने बीते दिनों चंद्रचूड़ की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महाराष्ट्र में दल-बदल करने वाले नेताओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया था। राउत ने दावा

किया कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय नहीं करके चंद्रचूड़ ने दलबदल के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखीं।

एएनआई को दिए इंटरव्यू में पूर्व सीजेआई ने शिवसेना के आरोपों पर कहा, 'मेरा जवाब बहुत सरल है। पूरे साल हमने कई मौलिक संवैधानिक मामलों पर सुनवाई की। हम 9 न्यायाधीशों की पीठ के निर्णयों, 7 न्यायाधीशों की पीठ के निर्णयों और 5 जजों की पीठ के फैसलों से निपटते रहे। ऐसे में क्या किसी एक पक्ष या व्यक्ति को यह तय करना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट को किस मामले की सुनवाई करनी चाहिए? माफ कीजिए, यह अधिकार मुख्य न्यायाधीश के पास होता है।'

हमारे पास सीमित जनशक्ति, बोले चंद्रचूड़

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 20 वर्षों से कई मामले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित पड़े हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि हमें जो समय दिया गया उसमें हमने एक मिनट भी काम नहीं किया तो ऐसी आलोचना जायज है। आप देखिए कि कई अहम संवैधानिक मामले 20 बरसों से सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग हैं। एससी इन 20 साल पुराने मामलों को क्यों नहीं ले रहा है और कुछ हालिया मुद्दों पर सुनवाई क्यों कर रहा है? इस बीच, अगर आप पुराने मामलों को लेते हैं तो आपको बताया जाएगा कि आपने इस विशेष केस को नहीं लिया। हमारे पास सीमित जनशक्ति है और न्यायाधीशों की निश्चित संख्या है। ऐसे में आपको संतुलन बनाना होता है।'

संक्षेप...

नौपाडा में वुई आर फॉर यु के मदद से बड़ी दुर्घटना टली

ठाणे. शहर स्थित नौपाडा परिसर में एम जी रोड पर मनपा के इलेक्ट्रिक पैनल बॉक्स में अचानक आग लग गया।इलेक्ट्रिक पैनल से सटे पेड़ भी आग की लपेट में आ गया।

सड़क पर आने जाने वाले नागरिकों ने अभिनय कट्टा पर बैठे लोगों को जानकारी दी।वहां पर उपस्थित किरण नाकती के मार्गदर्शन में वुई आर फॉर यू के सहयोग से पास में बोरिंग मशीन चालू कर पाईप बिछाकर आग बुझाने में कामयाबी हासिल कर बड़ी दुर्घटना को रोका।इसमें संभाजी आंद्रे ,अशोक कदम, रवींद्र खैर, हर्षल आठवले, मनोज पपुले,सुधीर जाधव की टीम ने आग बुझाने में अथक प्रयास किया।इस कार्य के लिए नौपाडा परिसर के नागरिकों ने आभार व्यक्त किया।

एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा, कौन होगा अगला सीएम?

मुंबई. शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है. महायुति गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा. इस मौके पर उनके सहयोगी अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे.

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे कथित तौर पर शीर्ष राजनीतिक पद के लिए सबसे आगे हैं. भाजपा और एनसीपी ने राज्य के मुख्यमंत्री के लिए देवेंद्र फडणवीस का समर्थन किया है, वहीं शिवसेना ने जोर देकर कहा है कि शिंदे को सत्ता बरकरार रखनी चाहिए क्योंकि वह 'माझी लड़की बहन योजना' के अग्रदूत हैं, जो जाहिर तौर पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक महत्वपूर्ण सफलता साबित हुई थी.

एक्स पर एक पोस्ट में शिंदे ने अपने समर्थकों से कहा कि वे उनके मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उनके आधिकारिक आवास पर भीड़ न लगाएं. शिंदे ने कहा, ₹मेरे प्रति प्यार के कारण कुछ लोगों ने सभी से एक साथ मिलकर मुंबई आने की अपील की है. मैं आपके प्यार के लिए बहुत आभारी हूं. लेकिन मैं अपील करता हूं कि कोई भी इस तरह से मेरे समर्थन में एक साथ न आए.₹

कौन बनेगा नया मुख्यमंत्री?

विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 132 सीटों पर जीत हासिल की है और शिंदे की शिवसेना ने 57 सीटों पर जीत हासिल की है. अजित पवार की पार्टी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है. एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बार-बार कहा है कि हमने केंद्रीय नेतृत्व से बात करके सही फैसला लिया है कि महागठबंधन का मुख्यमंत्री कौन होगा.

इस बीच आज यह तय हो जाएगा कि मुख्यमंत्री का पद कौन संभालेगा और कल यानी बुधवार को मुख्यमंत्री कौन होगा इसकी घोषणा होने की संभावना है. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर आखिरी फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेंगे. कहा जा रहा है कि आज या कल तक मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसला लेकर नाम का ऐलान कर दिया जाएगा.

मुंबई में अगवा बच्चे को भिवंडी पुलिस ने बचाया

मुंबई. ठाणे जिले के भिवंडी में पुलिस ने 3 साल के बच्चे को बचा लिया है, जिसे मुंबई में अगवा कर 60000 रुपये में बेच दिया गया था. शांति नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

ठाणे जिले के भिवंडी में पुलिस ने 3 साल के बच्चे को बचा लिया है, जिसे मुंबई में अगवा कर बेच दिया गया था. शांति नगर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. मामले की गहन जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है.

शांति नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गायकवाड़ ने बताया, बच्चे का अपहरण 17 नवंबर को रामनगर इलाके से हुआ था.

PUBLIC NOTICE

Re: Disownment of Son named Diplesh Ajay Dhingra, aged about: 23 Years.

This is to inform the general public at large that my clients Shri. Ajay Amriklal Dhingra and Smt. Madhavi Ajay Dhingra, Currently residing at Flat no. 602-A, Pritam Apartment, Near Bhatia Hospital, Ulhasnagar-421005, Dist. Thane, Maharashtra, has made difficult decision to formally disown their Son named Diplesh Ajay Dhingra, aged about: 23 Years, from all their Movable/immovable properties and from all their responsibilities towards him, due to the reasons outlined below:

REASONS FOR DISOWNMENT:

1. Involvement in Bad Company of friends and Unacceptable Behavior:

Despite repeated attempts by my clients named above to counsel and guide their son named Diplesh Ajay Dhingra, who has unfortunately fallen into bad company of friends. Further their son named above has engaged in relationships with individuals of questionable character and has developed a severe addiction to alcohol. His immoral behaviour has caused great distress to the family.

2. Harassment and Mental Agony:

My clients and their family have been subjected to harassment through numerous phone calls from unknown women who claim to have been in relationships with their Son named Diplesh Ajay Dhingra, and demanding for the huge amount of money and if in case we failed to fulfill their demand of money, those women's over the phone are threatening to engage their son and my client's and their near and dear one's in false and bogus cases. These actions have caused significant mental agony and social embarrassment to the family.

3. Reasonable Apprehension of Criminal Activity:

Given Diplesh Ajay Dhingra's current lifestyle and associations, my clients have reasonable apprehension that they may become involved in criminal activities, which could further endanger the family's reputation and safety.

4. No Rights Over Property or Assets:

As a result of their Son Diplesh Dhingra reckless and irresponsible behavior, my clients declare that Diplesh Ajay Dhingra shall have no rights or claims over any of their property assets, or belongings, whether movable or immovable.

Consequences of Disownment:

1. Legal Declaration:

This Public notice serves as a legal and formal declaration that my client's son Diplesh Ajay Dhingra is disowned from the family. He shall not be entitled to any inheritance, financial support, or any other claims on my client's property and assets.

2. No Responsibility:

My clients named above and their family members and their close relatives shall not be held responsible for any actions, debts or liabilities incurred by Diplesh Ajay Dhingra, from the date of this notice onwards.

3. Formal Separation:

The public is hereby notified that any dealings, transactions, or relationships with Diplesh Ajay Dhingra are solely his responsibility and my clients and their family and close relatives will not be held liable for the same.

Any Person dealing with Diplesh Ajay Dhingra, henceforth does so at their own risk and responsibility.

Place: Ulhasnagar
As per the instructions,

Sd/-
Ajay Amriklal Dhingra
Sd/-
Madhavi Ajay Dhingra

Lalit A. Gemnani
Advocate Mumbai High Court.
Add: 101-102, Sai palace Apt. Near Bhatia Hospital, Behind Sai Baba Mandir, Ulhasnagar-421005.
Dist-Thane, Maharashtra. Mob. 7021618895/8484940367.

मुंबई विश्वविद्यालय के इतिहास में स्वर्णिम क्षण

अंतर-विश्वविद्यालय क्रॉसकंट्री प्रतियोगिता में स्वर्ण और उपविजेता का गौरव

एसएसटी महाविद्यालय के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

■ **मार्गदर्शक प्रा. राहुल अकुल का सफल नेतृत्व**

उल्हासनगर. मंगलुरु विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय क्रॉसकंट्री प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय की साक्षी जडयाल ने व्यक्तिगत श्रेणी में छठा स्थान हासिल किया, जबकि रोहन चौधरी ने टीम श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त कर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई विश्वविद्यालय के राज तिवारी ने व्यक्तिगत श्रेणी में 30 मिनट 59 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

पुरुष टीम ने 71 अंक प्राप्त कर उपविजेता का खिताब जीता। विजेता टीम में राज तिवारी, मृणाल सरोदे, रोहन चौधरी, माणिक वाघ, सूरज झोरे और हेमंत निशाद ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 137 विश्वविद्यालयों के 850 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रा. रविंद्र कुलकर्णी, प्र-कुलपति प्राचार्य डॉ. अजय भामरे, कुलसचिव डॉ. प्रसाद कारंडे, और एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने टीम और खिलाड़ियों को बधाई दी। इस सफलता के पीछे खेल निदेशक डॉ. मनोज रेड्डी का मार्गदर्शन और टीम के मार्गदर्शक प्रा. राहुल अकुल तथा व्यवस्थापक शशांक उपशेट्टे का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानचिन्ह, नकद पुरस्कार और स्टॉपवॉच देकर सम्मानित किया गया।

राज्य में मुख्यमंत्री पद की घोषणा और मंत्री पद के बंटवारे का फॉर्मूला देंगे अमित शाह

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद अब महायुति में सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर रस्साकशी जारी है। 132 सीटें जीतने वाली बीजेपी मुख्यमंत्री पद को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ढाई साल से मुख्यमंत्री पद पर रहे हैं और आगे के लिए जोर लगा रहे हैं। इसलिए सरकार गठन को लेकर असमंजस बरकरार है। इसे सुलझाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल मुंबई आएंगे। वह पर्यवेक्षक के तौर पर मुंबई आ रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की घोषणा खुद अमित शाह करेंगे। शाह मंत्री पद के बंटवारे के मुद्दे पर भी फॉर्मूला देने वाले हैं।

3 फॉर्मूलों के आधार पर तय होगा मुख्यमंत्री पद का चेहरा

दरअसल महाराष्ट्र में बीजेपी ने 148 सीटों पर चुनाव लड़ा और 132 सीटें जीतीं। शिवसेना ने 80 सीटों पर चुनाव लड़ा और 57 सीटें जीतीं। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद के लिए काफी उत्सुक हैं। वे यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे तो इससे महायुति को क्या फायदा होगा? इसके लिए वे बीजेपी नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं। दूसरी ओर उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने यह कहकर देवेंद्र फडणवीस के पीछे अपना पक्ष रख दिया है कि वह बीजेपी के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। इन सबके बीच अमित शाह कल मुंबई आ रहे हैं। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, तीन फॉर्मूलों के आधार पर मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय किया जा सकता है।

चौंकाने वाला चेहरा दिए जाने की संभावना

महायुति में सहयोगियों को ताकत देने के लिए बीजेपी नई सरकार में दो उपमुख्यमंत्री बनाएगी। इसलिए राजस्थान में बीजेपी की ओर से अपनाया गया फॉर्मूला चर्चा में है। वहां बीजेपी नेतृत्व ने भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद दिया।

ठाणे मनपा ने संविधान दिवस पर किया उत्सव का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. भारत के संविधान दिवस पर मनपा की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत के संविधान को आज 75 साल पूर्ण है इसलिए पूरे देश भर में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।मनपा मुख्यालय के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पुतला पर हार फूल अर्पित कर संविधान को याद किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त (मुख्यालय) जी. जी. गोदेपुरे, उपायुक्त (जनसंपर्क) उमेश बिरारी, विधी सलाहकार मकरंद काले, जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र मांजरेकर सहित मनपा के अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थिति रही।साथ ही शहर में स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सामने भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पुतला पर हार पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया गया।स्टेशन के सामने भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पुतला पर उपायुक्त शंकर पाटोले,सहायक आयुक्त सोपान भाईक के साथ नागरिकों ने हार पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया।

भिवंडी महानगरपालिका पर कर्जदारी का बोझ

■ **अक्षम, भ्रष्ट अधिकारी नहीं कर रहे टैक्स वसूली**

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य की लाख कोशिशों के बावजूद मनपा की बकाया टैक्स वसूली नहीं होने से मनपा की आर्थिक हालत बदहाल हो चुकी है.1वर्ष के दौरान कई बार ब्याज माफी की अभय योजना लाए जाने के बाद भी बकाएदार टैक्स धारकों ने टैक्स भुगतान नहीं कर भिवंडी मनपा को आर्थिक तंगहाली में धकेल दिया है. टैक्स वसूली विभाग भी बकाएदार करदाताओं के ऊपर कोई कड़क एक्शन नहीं लेता जिससे बकाएदार भी मस्ती में हैं. मनपा तिजोरी खाली होने से मनपा प्रशासन भी मनपा पर हुई करीब 250 करोड़ की कर्जदारी के भुगतान में दिक्कत झेल रहा है.कर्जदारी का ब्याज तेजी से बढ़ रहा है.

गौरतलब हो कि,मनपा प्रशासक अजय वैद्य द्वारा टैक्स बकाएदारों की सुविधा के लिए कई बार अभय योजना लगाई गई बावजूद कोई फायदा नहीं मिला.भिवंडी मनपा का कुल टैक्स बकाया करीब 320 करोड़ है.मनपा टैक्स विभाग की निष्क्रियता की वजह से घर,पानी पट्टी वसूली नहीं के बराबर होने से मनपा अधिकारियों, कर्मचारियों की पगार भी शासन द्वारा दिए जा रहे आर्थिक

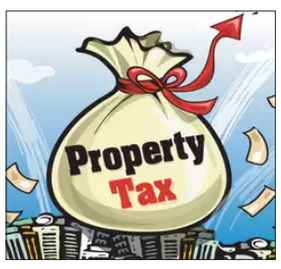

अनुदान से हो रही है.मनपा प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद भी टैक्स वसूली का ग्राफ नहीं बढ़ा जिसकी एकमेव जिम्मेदारी विभागीय अधिकारी,कर्मचारी की है. मनपा सूत्रों की माने तो, मनपा का कुल 320 करोड़ रुपए से अधिक वाटर,प्रापर्टी टैक्स लोगों पर बकाया है. मनपा तिजोरी खाली होने से मनपा प्रशासन ठेकेदारों का भुगतान सहित बिजली, पानी, बकाया कर्ज भुगतान, कर्मचारियों का ईपीएफ, पेंशन सहित विकास कार्यों को गति देने में कठिनाई झेल रहा है. बदहाली का आलम यह है कि,मनपा प्रशासन को कर्मचारियों का दीवाली बोनस भी 2 किस्तों में चुकाए जाने की मजबूरी को झेलना पड़ा.

टैक्स वसूली का ग्राफ जीरो

भिवंडी मनपा का टैक्स वसूली ग्राफ वर्षों से 15% से अधिक नहीं होता है. आश्चर्यजनक है कि, शहरवासी सुविधा तो खूब चाहते हैं लेकिन टैक्स का भुगतान समय से कभी नहीं करते हैं. कार्यकाल के 1 वर्ष के दौरान मनपा आयुक्त अजय वैद्य द्वारा टैक्स वसूली का ग्राफ बढ़ाए जाने की अथक कोशिश भी लापरवाह कर्मियों की वजह से 100% असफल रही है.प्रबुद्ध लोगों का आरोप है कि, टैक्स विभाग का जिम्मा संभालने वाले अधिकारी,कर्मचारी अवैध निर्माण पर मुंहमांगा पैसा लेकर टैक्स लगाने को प्राथमिकता देते हैं लेकिन बकाया टैक्स वसूली को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं. टैक्स का करोड़ों बकाया होने के बाद भी मनपा प्रशासन कर्ज का भुगतान करने में शर्मशार होता रहे उनकी बला से..

शुरुआती रिपोर्ट 24 घंटे में आएगी

डिमांड के अनुरूप बकाया टैक्स वसूली ठीक से नहीं होने पर जरूरी विकास कार्य भी करने में भारी दिक्कत है . अभय योजना में भी अपेक्षित टैक्स वसूली नहीं होना चिंताजनक है .विकास के लिए करदाताओं को नियत समय पर टैक्स चुकाना चाहिए . टैक्स वसूली में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी,कर्मचारी पर सख्त कार्यवाही होगी .बकाएदारों की प्रापर्टी भी जब्त की जाएगी .

-अजय विलास वैद्य .
मनपा प्रशासक, आयुक्त मनपा .

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

महिलाओं का चुप रहना गलत : ऐश्वर्या

■ **तलाक की अफवाहों के बीच कहा- हैरेसमेंट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए**

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन इन दिनों अपने तलाक की अफवाहों को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। इसी बीच ऐश्वर्या राय ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें एक्ट्रेस ने हैरेसमेंट को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हैरेसमेंट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, चुप नहीं रहना चाहिए।

एश्वर्या राय ने एक ब्रांड से जुड़ी हुई हैं, और उसकी ब्रांड एम्बेस्डर हैं। उसी ब्रांड के लिए उन्होंने एक प्रमोशनल वीडियो बनाया है। लेकिन इसमें एक्ट्रेस प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि हैरेसमेंट के बारे में बात कर रही हैं।

यह वीडियो ऐश्वर्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किया है। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन भी लिखा है- महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ खड़े होइए। और कंपनी के ट्रेनिंग प्रोग्राम से जुड़िए। क्योंकि महिलाएं मायने रखती हैं।

■ **'इज्जत से समझौता नहीं करना चाहिए'**

ऐश्वर्या वीडियो में महिलाओं को हैरेसमेंट से डील करने को लिए मोटिवेट कर रही हैं। उन्होंने कहा- महिलाओं को हर मुश्किल का बहादुरी से सिर उठाकर सामना करना चाहिए। महिलाओं को

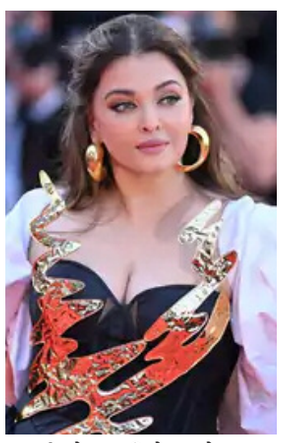

अपनी सेल्फ रिस्पेक्ट के साथ कभी भी समझौता नहीं करना चाहिए। महिलाओं को मुश्किल समय में खुद पर ट्रस्ट करना चाहिए, खुद को शक की नजरों से नहीं देखना चाहिए। हैरेसमेंट के कारण महिलाओं को अपने पहनावे या लिपस्टिक को जिम्मेदार नहीं मानना चाहिए, क्योंकि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है।

■ **फैंस ने दिया रिएक्शन**

ऐश्वर्या के इस वीडियो पर लोगों ने रिएक्ट किया है। महिलाओं के सपोर्ट में बोलने के लिए सोशल मीडिया पर लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। उनके इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। एक यूजर ने एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए लिखा- ब्यूटी विथ ब्रेन। वहीं दूसरे ने लिखा, यह काफी इंस्पायरिंग है। एक यूजर ने पूछा, 'जया बच्चन और श्वेता बच्चन के शोषण के बारे में क्या कहेंगी?'

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099